

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

Darood E Taj درود تاج

ARABIC WITH HINDI TRANSLATION

1

اللَّهُمَّ صَلِّ عَلَى سَيِّدِنَا وَمَوْلَانَا مُحَمَّدٍ صَاحِبِ التَّاجِ وَالْمِعْرَاجِ وَالْبُرَاقِ وَالْعِلْمِ دَافِعِ
الْبَلَاءِ وَالْوَبَاءِ وَالْقَحْطِ وَالْمَرَضِ وَالْأَلَمِ

ऐ अल्लाह! हमारे आका व मौला हज़रत मुहम्मद ﷺ पर दरुद भेज जो तज, मेराज, बुराक़ और परचम के मालिक हैं, जो बला, वबा, क़हत, बीमारी और तकलीफ़ को दूर करने वाले हैं

2

إِسْمُهُ مَكْتُوبٌ مَرْفُوعٌ مَشْفُوعٌ مَنْقُوشٌ فِي اللَّوْحِ وَالْقَلَمِ

उनका नाम लौह व क़लम में लिखा, बुलंद, क़बूल और नक्श किया हुआ है

3

سَيِّدِ الْعَرَبِ وَالْعَجَمِ جِسْمُهُ مُقَدَّسٌ مُعَطَّرٌ مَطْهَرٌ مُنُورٌ فِي الْبَيْتِ وَالْحَرَمِ

वो अरबों और अजमियों के सरदार हैं, उनका जिस्म मुक़द्दस, खुशबूदार, पाकीज़ा और मुनक्कर है बैतुल्लाह और हरम में

4

شَمْسُ الضُّحَى بَدْرُ الدُّجَى صَدْرُ الْعُلَى نُورُ الْهُدَى كَهْفُ الْوَرَى مِصْبَاحُ الظُّلَمِ

चाशत के सूरज, अंधेरी रात के चाँद, बुलंद मक़ामों के सरदार, हिदायत का नूर, मख़लूक की पनाहगाह और तारीकियों के चराग़

5

جَمِيلِ الشِّيمِ شَفِيعِ الْأُمَمِ صَاحِبِ الْجُودِ وَالْكَرَمِ

खूबसूरत अख़लाक़ वाले, तमाम उम्मतों के शफ़ाअत करने वाले, ज़ूद और करम के मालिक

6

وَاللَّهُ عَاصِمُهُ وَجِبْرِيلُ خَادِمُهُ وَالْبَرَّاقُ مَرْكَبُهُ وَالْمِعْرَاجُ سَفَرُهُ وَسِدْرَةُ الْمُنْتَهَى
مَقَامُهُ وَقَابُ قَوْسَيْنِ مَطْلُوبُهُ وَالْمَطْلُوبُ مَقْصُودُهُ وَالْمَقْصُودُ مَوْجُودُهُ

अल्लाह उनके रक्षक, जिब्रईल उनके ख़ादिम, बुराक़ उनकी सवारी, मेराज़ उनका सफ़र, सिद्रतुल मुन्तहा उनका मक़ाम, क़ाब-ए-क़ौसैन उनका मतलूब, मतलूब उनका मक़सूद और मक़सूद उनके साथ मौजूद है

7

سَيِّدُ الْمُرْسَلِينَ خَاتَمُ النَّبِيِّينَ شَفِيعُ الْمُذْنِبِينَ أُنَيْسُ الْغَرِيِّينَ رَحْمَةٌ لِلْعَالَمِينَ

तमाम रसूलों के सरदार, आखिरी नबी, गुनाहगारों के शफ़ाअत करने वाले, बेगानों के अनीस, तमाम ज़हानों के लिए रहमत

8

رَاحَةُ الْعَاشِقِينَ مُرَادُ الْمُشْتَاقِينَ شَمْسُ الْعَارِفِينَ سِرَاجُ السَّالِكِينَ مِصْبَاحُ الْمُقَرَّبِينَ

मुहब्बत करने वालों की राहत, मुश्ताक़ों की मुराद, आरिफ़ों के सूरज, सालिकों के चराग़ और मुक़र्रबों की रोशनी

9

مُحِبُّ الْفُقَرَاءِ وَالْغُرَبَاءِ وَالْمَسَاكِينِ سَيِّدُ الثَّقَلَيْنِ نَبِيُّ الْحَرَمَيْنِ

फ़क़ीरों, ग़ुरबा और मिसकीनों के दोस्त, ज़िन्न व इंस के सरदार, दो हरमों के नबी

10

إِمَامُ الْقِبْلَتَيْنِ وَسَيِّدُنَا فِي الدَّارَيْنِ صَاحِبُ قَابِ قَوْسَيْنِ مُحِبُّ رَبِّ الْمَشْرِقَيْنِ وَ
الْمَغْرِبَيْنِ

दो क़िब्लों के इमाम, दोनों ज़हानों में हमारा वसीला, क़ाब-ए-क़ौसैन के मालिक, दोनों मशरि़क़ और मगरिब के रब के महबूब

11

جَدُّ الْحَسَنِ وَالْحُسَيْنِ مَوْلَانَا وَ مَوْلَى الثَّقَلَيْنِ أَبِي الْقَاسِمِ مُحَمَّدِ بْنِ عَبْدِ اللَّهِ

हज़रत हसन और हुसैन रज़ि0 के नाना, हमारे मौला और ज़िन्न-इंस के मौला, अबुल क़ासिम, मुहम्मद बिन अब्दुल्लाह ﷺ

نُورٍ مِّنْ نُورِ اللَّهِ ط يَا أَيُّهَا الْمُشْتَاقُونَ بِنُورِ جَمَالِهِ صَلُّوا عَلَيْهِ وَآلِهِ وَاصْحَابِهِ وَسَلِّمُوا
تَسْلِيمًا

जो अल्लाह के नूर से नूर हैं, ऐ उनके जमाल के नूर के मुश्ताक़ो! उन पर, उनकी आल पर और उनके असहाब पर दरुद भेजो और ख़ूब सलाम भेजो

آمین مُنَّم آمین

Free to read, share and print. No ads. daroodetaj.com